विन्ध्येश्वरी चालीसा

॥ दोहा ॥

नमो नमो विन्ध्येश्वरी,

नमो नमो जगदम्ब।

सन्तजनों के काज में,

माँ करती नहीं विलम्ब॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय जय विन्ध्याचल रानी,

आदि शक्ति जग विदित भवानी॥

सिंहवाहिनी जय जग माता,

जय जय त्रिभुवन सुखदाता॥

कष्ट निवारिणी जय जग देवी,

जय जय असुरासुर सेवी॥

महिमा अमित अपार तुम्हारी,

शेष सहस्त्र मुख वर्णन हारी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दीनन के दुख हरत भवानी,

नहिं देख्यो तुम सम कोई दानी॥

सब कर मनसा पुरवत माता।

महिमा अमित जग विख्याता॥

जो जन ध्यान तुम्हारो लावे,

सो तुरतहि वांछित फल पावे॥

तू ही वैष्णवी तू ही रुद्राणी,

तू जी शारदा अरु ब्रह्माणी॥

हिन्दीपथ.कॉम

रमा राधिका श्यामा काली,

तू ही मातु सन्तन प्रतिपाली॥

उमा माधवी चण्डी ज्वाला,

बेगि मोहि पर होहु दयाला॥

तू ही हिंगलाज महारानी,

तू ही शीतला अरु विज्ञानी॥

दुर्गा दुर्ग विनाशिनी माता,

तू ही लक्ष्मी जग सुख दाता॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तू जी जाह्नवी अरु उत्राणी,

हेमावती अम्बे निरवाणी॥

अष्टभुजी वाराहिनी देवी,

करत विष्णु शिव जाकर सेवा॥

चौसठ देवी कल्यानी,

गौरी मंगला सब गुण खानी॥

पाटन मुम्बा दन्त कुमारी,

भद्रकाली सुन विनय हमारी ॥

हिन्दीपथ.कॉम

वज्र धारिणी शोक नाशिनी,

आयु रक्षिणी विन्ध्यवासिनी॥

जया और विजया बैताली,

मातु संकटी अरु विकराली॥

नाम अनन्त तुम्हार भवानी,

बरनै किमि मानुष अज्ञानी॥

हिन्दीपथ.कॉम

जापर कृपा मात तव होई,

तो वह करै चहै मन जोई॥

कृपा करहु मोपर महारानी,

सिद्ध करिए अब यह मम बानी॥

जो नर धरै मात कर ध्याना,

ताकर सदा होय कल्याना॥

विपति ताहि सपनेहु नहिं आवै,

जो देवी का जाप करावै॥

जो नर कहं ऋण होय अपारा,

सो नर पाठ करै शतबारा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

निश्चय ऋण मोचन होई जाई,
जो नर पाठ करै मन माई॥

अस्तुति जो नर पढ़े पढ़ावै,
या जग में सो अति सुख पावै॥

जाको व्याधि सतावे भाई,
जाप करत सब दूर पराई॥

जो नर अति बन्दी महं होई,
बार हजार पाठ कर सोई॥

हिन्दीपथ.कॉम

निश्चय बन्दी ते छुटि जाई,

सत्य वचन मम मानहु भाई।।

जा पर जो कछु संकट होई,

निश्चय देविहिं सुमिरै सोई॥

जा कहँ पुत्र होय नहिं भाई,

सो नर या विधि करे उपाई॥

पांच वर्ष सो पाठ करावै,

नौरातन में विप्र जिमावै॥

हिन्दीपथ.कॉम

निश्चय होहिं प्रसन्न भवानी,
पुत्र देहिं ताकहँ गुण खानी॥

ध्वजा नारियल आनि चढ़ावै,
विधि समेत पूजन करवावै॥

नित्य प्रति पाठ करै मन लाई,
प्रेम सहित नहिं आन उपाई॥

यह श्री विन्ध्याचल चालीसा,
रंक पढ़त होवे अवनीसा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

यह जनि अचरज मानहुं भाई,

कृपा दृष्टि तापर होई जाई॥

जय जय जय जग मातु भवानी।

कृपा करहु मोहिं पर जन जानी॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

हिंदीपथ.कॉम

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com